मिशन शिक्षण संवाद

मौसम और ऋतुएँ

काव्य मंजरी
शैक्षिक कविताओं का संकलन

•• संकलन ••

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

मौसम और ऋतुएं

बसंत ऋतु

01

उमड़ उमड़ कर आए बादल,
गरजन लगे हर घर आँगन।
कल-कल कलरव करती नदियाँ,
पवनों के वेगों से देखो महके गालियाँ।।

हरियाली के पुष्पकुंज में बैठे,
भौंरे और तितलियाँ।
हो जाती है प्रकृति निराली,
जब आती है बसंत में कलियाँ।।

हर दृश्य में है बसंत की खुशबू,
पृथ्वी जगमग करती सारी।
देखो आई बसंत निराली,
चारों ओर है छाई ख़ुशहाली।।

ये है बसंत ऋतु सुहानी हर,
दिल की है इससे ख़ुशहाली।
कोयल की बात निराली,
खिल जाती देख हरियाली।।

ऐसे गाती मन को लुभाती,
बैठती जब वो डाली-डाली।
सुबह की बेला सूरज की लाली,
बादल से छिपकर देखे हरियाली।।

निर्मला सिंह (स०अ०)
पू0 मा0 वि0 छीछा
खजुहा (फ़तेहपुर)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

मौसम और ऋतुएं

वर्षा ऋतु

02

वर्षा आई, वर्षा आई,
आसमान में बदरा लाई।
गरज रहे बदरा घनघोर,
बिजली चमके चारों ओर।।

पी- पी रटे पपीहा,
झींगुर का मचे है शोर।
पानी में मेंढक टर्राएं,
वर्षा आई, वर्षा आई।।

टप- टप करती बूँदें आईं,
खुशियाँ ही खुशियाँ लाईं।
बागों में हरियाली छाई,
मोरों ने भी धूम मचाई।।

भीग रहे कुछ छाता ताने,
कुछ पानी में लगे नहाने।
छप- छप चारों ओर होने लगी,
वर्षा आई, वर्षा आई।।

साधना सचान (प्र. अ.)
कम्पोजिट स्कूल ढोढियाही
तेलियानी,फतेहपुर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

मौसम और ऋतुएं

शरद ऋतु

03

सर्दी आई, सर्दी आई,
अपने संग में ठिठुरन लाई।
कूलर, पंखा बंद करो अब,
शीतलहर से जरा बचो सब।।

स्वेटर पहन के निकलो भाई,
ओढ़ो कम्बल और रजाई।
बच्चों को ये छू न पाती,
पर बुड्ढों को खूब सताती।।

सुबह-सुबह सब धूप को सेंको,
बच्चों क्रिकेट, खो-खो खेलो।
जब-जब सर्दी चरम पे होगी,
फसल रबी की खूब फलेगी।।

चाय पकौड़ी मन को भाती,
मम्मी गरमा गरम बनाती।
जब अदरक की चाय पिओगे,
तब इम्यून मजबूत करोगे।।

उपासना कुमारी
प्रा० वि० लमहिचा
खजुहा (फतेहपुर)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

मौसम और ऋतुएं

ग्रीष्म ऋतु

04

बहता पसीना चलती लू,
देखो आई ग्रीष्म ऋतु।
जलते पाँव तपती सड़कें,
अंशुमाली काका भड़के।।

झुलसे सारे वन उपवन,
अब तो बरखा भेजो गगन।
प्यासे पखेरू भटक रहे,
आग के शोले धधक रहे।।

क्षीण हुई नदी की धारा,
पल-पल बढ़ता जाए पारा।
पंखे कूलर भी काम ना आए,
बत्ती गुल हो-हो जाए।।

मुरझाया आनन बहता पसीना,
न कटते दिवा-रात्रि दूभर हुआ जीना।
व्याकुल हुए सारे जीव-जन्तु
देखो आई-आई ग्रीष्म ऋतु।।

रीनू पाल (स०अ०)
प्रा० वि० दिलावलपुर
देवमई (फतेहपुर)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

मौसम और ऋतुएं

हेमन्त ऋतु

05

भारत की ऋतुएँ निराली,ग्रीष्म, वर्षा और शीत लुभानी।
शीत है दो भागों में बँटता, हेमन्त, शिशिर नाम है होता।।

हेमन्त ऋतु कार्तिक, अगहन माह की होती,
दिसम्बर, जनवरी की ठंडक हमें कँपाती।
हेमन्त ऋतु होती शीतल सुहानी,
भरपूर ऊर्जा, प्रतिरक्षा शक्ति दायिनी।।

शरद पूर्णिमा से होती शुरुआत,
दिन छोटे और लम्बी होती रात।
माह कार्तिक त्यौहारों का होता पर्व,
जो कराता अपनी संस्कृति पर गर्व।।

हेमन्त ऋतु होती स्वास्थ्य वर्धक,
शरीर के दोष निवारक, शक्ति संवर्धक।
हेमंत ऋतु गुलाबी ठंडक वाली,
होती, आयुर्वेद मे इसकी महत्ता सर्वाधिक।।

इला सिंह (स. अ.)
पू० मा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

मौसम और ऋतुएं

शिशिर ऋतु

06

शिशिर ऋतु आई, शिशिर ऋतु आई,
हेमन्त की इसने कर दी विदाई।
पेड़ो के पत्तों ने ली अँगड़ाई,
जैसे प्रकृति में वृद्धावस्था छाई।।

शिशिर ऋतु आई, शिशिर ऋतु आई,
पोंगल, लोहड़ी, संक्रान्ति लाई।
गुड़ और तिल की बनती मिठाई,
बच्चों ने छत पर पतंगे उड़ाई।।

शिशिर ऋतु आई, शिशिर ऋतु आई,
जनवरी बीती, फ़रवरी आई।
प्रभाकर ने ठंडी से राहत दिलाई,
बसन्त करेगा शिशिर की विदाई।।

शिशिर ऋतु आई, शिशिर ऋतु आई,
आँगन में कोहरे ने चादर बिछाई।
शीत लहर ने ठंडी बढ़ाई,
बच्चों और बूढ़ों ने ओढ़ी रजाई।।

प्रतिभा गुप्ता (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० खेमकरनपुर
विजयीपुर ,फतेहपुर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

मौसम और ऋतुएं

वर्षा का मौसम

07

वर्षा का मौसम मनभावन,
कितना सुन्दर कितना पावन।
जब भी आता खुशियाँ लाता,
जैसे आया प्यारा सावन।।

बारिश में भीगे जग सारा,
लगता सबको प्यारा प्यारा।
घर से निकलें छाता लेकर,
पानी की बहती है धारा।।

बादल गरजे, बिजली चमके,
इन्द्रधनुषी रंग जगमगाते,
गर्म समोसे, चाय, पकौड़े,
सब के मन को बहुत ही भाते।।

हेमलता गुप्ता (स. अ.)
प्रा. वि. मुकंदपुर, लोधा,
अलीगढ़

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

मौसम और ऋतुएं

जाड़े का मौसम

08

बीती बारिश जाड़ा आया,
जाड़ा सबके मन को भाया।
ठंडी-ठंडी अब हवा चले,
गर्मी से न बदन जले।।

स्वेटर शाल सभी निकालें,
रजाई में धूप दिखा लें।
ठिठुरन जैसे बढ़ती जाए,
धूप सभी के मन को भाए।।

मम्मी गरम पकौड़ी लाई,
संग में गरम चाय बनाई।
पंखा, कूलर बंद कराये,
जब जाड़े का मौसम आये।।

शहनाज़ बानो (स.अ.)
पू० मा० वि० भौंरी - 1
मानिकपुर, चित्रकूट

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

मौसम और ऋतुएं

गर्मी का मौसम

09

मौसम गर्मी का आया,
जन मानस अब अकुलाया।
बढ़ गया ताप, हो गई उमस,
ठण्डी कुल्फी रुचती है बस।।

भानु-रश्मि भी तेज हुई,
लू चुभती तन में जैसे सुई।
अवनि-अम्बर सब तप्त हुआ,
नदियाँ सागर-जल लुप्त हुआ।।

आतप प्रभात का अगन हुआ,
ज्यों सूरज ने भूमि को छुआ।
तप्त हृदय झुलसा वसुधा का,
इंतज़ार सबको वर्षा का।।

पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर (अलीगढ़)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

●● रचनाकारों की सूची ●●

1. निर्मला सिंह, फतेहपुर
2. साधना सचान, फतेहपुर
3. उपासना कुमारी, फतेहपुर
4. रीनू पाल, फतेहपुर
5. इला सिंह, फतेहपुर
6. प्रतिभा गुप्ता, फतेहपुर
7. हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
8. शहनाज़ बानो, चित्रकूट
9. पूनम गुप्ता, अलीगढ़

●● टेक्निकल टीम ●●

1. आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
2. प्रतिमा उमराव, फ़तेहपुर
3. सुधांशु श्रीवास्तव, फ़तेहपुर

●● मार्गदर्शन ●●

राज कुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam